प्रेस विज्ञप्ति

24 सितंबर, 2017

"वाल्मीकि दलित समाज भाजपा शासन में दमन व शोषण का शिकार"
"दलित सबप्लान को खत्म करना गरीबों के खिलाफ भाजपाई षडयंत्र"
गरीबों के लिए घटती नौकरियां, बढ़ता बैकलॉग – दलित कल्याण योजनाओं का पैसा काटा"
कांग्रेस– वाल्मीकि समाज का चोलो दामन का साथ व दिल का रिश्ता– न्याय के लिए करेंगे संघर्ष

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आज वाल्मीकि दलित समाज को एकजुट हो मोदी एवं खट्टर सरकार के खिलाफ आरपार की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। वे आज कैथल में आयोजित 'वाल्मीकि दलित सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे, जिसमें इलाके से हज़ारों की संख्या में आए वाल्मीकि समाज के लोगों का उत्साह व जोश देखते बनता था। सम्मेलन का आयोजन पूर्व विधायक, श्री फूल सिंह खेड़ी व वाल्मीकि समाज के अन्य नेताओं के द्वारा किया गया था।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि भाजपाई, गरीबों का आरक्षण खत्म करने की घिनौनी साजिश कर रहे हैं। यह आरएसएस प्रमुख, श्री मोहन भागवत व संघ सरचालक, श्री मनमोहन वैद्य के आरक्षण पर पुर्नविचार करने तथा खत्म करने के बयानों से स्पष्ट है, जहां श्री राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी गरीबों के अधिकारों के प्रति वचनबद्ध हैं, दलित समाज को भी इस बारे आगाह रहना होगा।

केंद्र व हरियाणा में 'दलित सबप्लान' को खत्म करने के निर्णय को एक बड़ी साजिश करार देते हुए, श्री सुरजेवाला ने कहा कि यह कदम गरीबों व दलितों की सरकारों के बजट में सीधे सीधे हिस्सेदारी को खत्म करना है। इसका सीधा प्रभाव अनुसूचित जाति, विशेषतः वाल्मीकि समाज, के लोककल्याण की सभी योजनाओं पर विपरीत तौर से पड़ेगा तथा सरकारी खजाने में गरीब की हिस्सेदारी खत्म हो जाएगी।

मोदी व खट्टर सरकार से आए दिन दलितों पर हो रहे अत्याचारों की चर्चा करते हुए, श्री सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में तो वाल्मीकि समाज से चुनकर आए भाजपाई विधायकों की जान तक खतरे में है और उनका सरेआम अपमान किया जा रहा है। श्री सुरजेवाला ने मुलाना विधायक, श्रीमति संतोष सारवान चौहान पर भाजपा–आरएसएस के लोगों द्वारा जानलेवा हमले की चर्चा करते हुए कहा कि इस पर आज तक कोई कार्यवाही क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि बवानीखेड़ा से भाजपा विधायक, श्री बिशंबर वाल्मीकि ने तो यहां तक कहा कि उनके साथ गुलामों जैसे व्यवहार हो रहा है। दलित अत्याचारों की चर्चा करते हुए, श्री सुरजेवाला ने कहा कि पूरे देश में हर नौंवे मिनट एक दलित साथी पर अत्याचार हो रहा है और भाजपाई सरकार मूक दर्शक बनी बैठी

है। NCRB के आंकड़ों का हवाला देते हुए, श्री सुरजेवाला ने कहा कि दलित अत्याचार की घटनाएं साल 2013 में 39,408 से बढ़कर साल 2015 में 45,003 हो गईं और साल 2016 में एक अनुमान के मुताबिक इनकी संख्या 60,000 है। यानि भाजपाई शासन में दलित अत्याचार की घटनाएं दोगुनी हो गई।

दलितों की घटती नौकरियां व बैकलॉग पर चिंता करते हुए श्री सुरजेवाला ने बताया कि मोदी सरकार ने सरकारी नौकरियों में दलितों की हिस्सेदारी लगभग खत्म कर दी है। साल 2013 में 92,928 दलित साथियों को भारत सरकार में नौकरी मिली, परंतु 2015 में दलितों को मिलने वाली नौकरियां घटकर मात्र 8,436 रह गईं। यह आंकड़े भारत सरकार ने संसद के पटल पर रखे हैं। इसी प्रकार दलितों की प्रिमैट्रिक स्कॉलरशिप योजना का बजट, कांग्रेस के समय साल 2013–14 में 882 करोड़ रु. से घटाकर साल 2017–18 में मात्र 50 करोड़ रु. कर दिया गया। और भी चौंकाने वाली बात यह है कि भारत सरकार की 'मैला साफ करने वाले व्यक्तियों की पुनर्वास व रोजगार योजना' में पिछले तीन साल में एक फूटी कौड़ी भी खर्च नहीं की गई और सारा बजट वापस कर दिया गया।

श्री सुरजेवाला ने वाल्मीकि समाज को आह्वान करते हुए याद दिलाया कि कांग्रेस कार्यकाल में 11,000 सफाई कर्मचारियों की भर्तियां, हर घर में निशुल्क पानी की टंकी, चौकीदारों की तनख्वाह व ड्रेस में इजाफा, वाल्मीकि धर्मशालाओं का निर्माण व समान अधिकार तथा निवास देने वाली अनेकों योजनाएं क्रियान्वित की गईं। परंतु आज ये सब अधर में छोड़ दी गई हैं।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि वाल्मीकि दलित समाज को एकजुट हो एक निर्णायक संघर्ष करना पड़ेगा, ताकि मोदी व खट्टर सरकार को चलता कर दलित विरोधी मानसिकता का अंत किया जा सके।

सम्मेलन को देशभर से आए वाल्मीकि नेताओं ने संबोधित किया, जिसमें श्री ब्रजलाल चेयरमैन, श्री सुरेंद्र रांझा, श्री राकेश खानपुर इत्यादि शामिल थे।